ग़ज़ल-संग्रह

शगुफ़्ता-चमन

हाजी ज़फ़र उल्ला खाँ "ज़फ़र"
टीकमगढ़

ग़ज़ल संग्रह

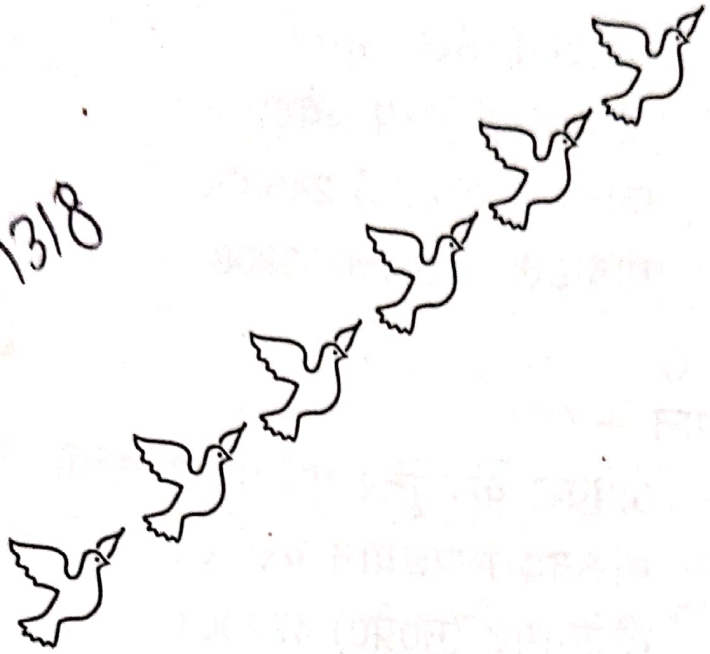

41318

शगुफ़्ता–चमन

हाजी ज़फ़र उल्ला खाँ "ज़फ़र"
टीकमगढ़

Scanned with OKEN Scanner

–प्रकाशक–

नशेमन पब्लिकेशन मारफ़त
अशरफ उल्ला खाँ
मोहल्ला सैल सागर
टीकमगढ़ (मध्य प्रदेश)
फोन – (07683) 245350
मोबाईल– 9826263908

प्राप्ति स्थान –

अपेक्स कम्प्यूटर एवं फोटो कॉपी
मस्जिद भिश्तयान बस स्टेण्ड के पास
टीकमगढ़ (म0प्र0) 472001

मूल्य– 151/– रूपये
तृतीय संस्करण

@ सर्वाधिकार सुरक्षित
हाजी ज़फ़र उल्ला खाँ "ज़फ़र"

SHAGUFTA-CHAMAN
(GAZAL SANGRAH)

मुद्रक– श्री अशरफ उल्ला खाँ, अपेक्स कम्प्यूटर ग्राफिक्स, पुराना बस स्टेण्ड, टीकमगढ़ (म.प्र.)

Scanned with OKEN Scanner

V1318

—::—ताआर्रुफ़—::—

नाम ज़फ़र उल्ला खाँ दादा कैसर खाँ सुपरेन्टेन्डेन्ट ऑफ़ पुलिस ओरछा स्टेट में, वालिद इस्लाम उल्ला खाँ नायव तहसीलदार रहे आपकी पैदाइश 10 जुलाई 1937 ज़िला टीकमगढ़ म0प्र0 आप खानदानी पठान के यहाँ पैदा हुये बचपन बहुत अच्छा गुज़रा तालीम इस्लामिया स्कूल जामा मस्जिद टीकमगढ़ से उर्दू, अरबी, से शुरू की उसके बाद ए0बी0एम0 स्कूल नज़रवाग़ टीकमगढ़ से मिडिल पास कर सवाई महेन्द्र इन्टर कॉलेज टीकमगढ़ से मैट्रिक पास किया जुवानों में उर्दू, हिन्दी, अरबी कुछ अंग्रेजी तालीम हासिल करने के बाद मुलाज़मत करना पड़ी चूँकि घर की माली हालत खराब होने की बजह से आगे की पढ़ाई न कर सके और तालीम मुहकमा में पी0टी0आई0 की पोस्ट पर मुलाज़मत करते रहे खेल कूद और ड्राइंग का बहुत शौक था इसलिये बाम्बे आर्ट ग्वालियर से तथा पी0टी0आई0 की ट्रेनिंग सी0पी0एड0 शिवपुरी से एन0डी0एस0आई0 कलकत्ता से एन0आई0एस0 क्रिकेट में जबलपुर से ट्रेनिंग पास की । सर्विस में आने पर नौ साल देहात में गुज़रे इसके बाद बी0टी0आई0 कुण्डेश्वर जिला टीकमगढ़ में 27 साल तक रहे 31.7.1997 को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान कुण्डेश्वर से रिटायर हुये । आपको शुरू से ही शेरो शायरी का शौक रहा किसी को उस्ताद नहीं बनाया मुशायरों, नशिस्त, गोष्टियों में शिरकत करते हैं तंज़िया कलाम ज़्यादा पंसद करते हैं तख़ल्लुस **"ज़फ़र"** लिखते हैं आपकी आदतों में सच बोलना, हक़ पर चलना, नेक सलाह देना, वक्त की पावन्दी पर अमल करना, लड़ाई झगड़ों से दूर रहना, खुश मिजाज़ी, सफ़ाई का ख्याल टिपटॉप रहने की कोशिश करते है । आपके दो लड़के और एक लड़की है लड़के एम0ए0 और लड़की बी0ए0 तीनों की शादी हो गई है । बड़ा लड़का फ़रहत उल्ला खाँ लैक्चरर नवोदय विद्यालय **"इंग्लैण्ड रिटर्न"** पत्नि रेशमा अंजुम बी0ए0 के तीन बच्चे बड़ा बच्चा मोहम्मद मोहसिन खान पी0जी0 कॉलेज टीकमगढ़ में बी0एस0सी तृतीय वर्ष में पढ़ रहा है बच्ची इरम आज़मी नवोदय विद्यालय में दर्जा 12 में छोटा बच्चा मोहम्मद फ़ैज़ान खान नवोदय विद्यालय दर्जा 11 में पढ़ रहा है छोटा लड़का अशरफ उल्ला खॉ एम0ए0 कम्प्यूटर ऑपरेटर वन विभाग में पत्नि शाहीन एम0ए0 के दो बच्चे हैं बड़ी बच्ची युसरा 11 साल और छोटा बच्चा मोहम्मद असअद खान 9 साल का है लड़की रेहाना परवीन बी0ए0 के दो बच्चे हैं बड़ा बच्चा काशिफ़ हुसैन कॉन्वेन्ट स्कूल दर्जा 12 में पढ़ रहा है बच्ची ज़ोया दर्जा 9 में पढ़ रही है दामाद ज़ाकिर हुसैन बी0ए0 वन विभाग में कार्यरत है रिटायर मेन्ट के बाद आप कम्प्यूटर, फोटो कॉपी की दुकान में बैठ कर साहित्य साधना करते हुये अपना वक्त गुजार रहे है । सन 2005 में आप दोनो ज़फ़र उल्ला खाँ पत्नि मरहूमा राविया बेगम हज़ कर आये हैं ।

शगुफ़्ता—चमन "ज़फ़र"

Scanned with OKEN Scanner

V1318

—::— फेहरिस्त —::—

1. नहीं
2. निगहबान से
3. इन्सान की बो जान है
4. इन्सान को
5. देखए
6. कुसूर है
7. करना पड़ा मुझे
8. आ गये है
9. कभी
10. नहीं है
11. सुनाने को
12. हमारा है
13. शहर होने तक
14. आज़ाद हो गये
15. जलता है
16. रखता
17. सुल्तान हो गये
18. पाला है
19. जमाना है
20. डरता नहीं
21. नेता
22. देखिये
23. पाओगे तुम
24. पानी को
25. परेशान बहुत है
26. रखिए
27. मिलेगा
28. शैतान से
29. अरमान
30. हो गए
31. भुला दीजिए
32. मुझको
33. मंहगाई
34. इन्सान
35. पायेंगे
36. ज़िन्दगी में
37. कर्बला
38. मुलाकात हो गई
39. अजीब लगता है
40. ख्वाब नहीं
41. घराने को
42. मिलते हैं
43. हजारों में नहीं
44. प्यार के लिये
45. दुआऐं
46. वास्ते
47. काम करो
48. आदत हो गई
49. नौकरी में
50. एक
51. नाम से
52. तो बात हो
53. मत करना
54. अफ़जल
55. देखा
56. आग लगा देते हैं
57. खतरा है
58. छाया हुआ है
59. कहाँ से लाऊँ
60. बुढ़ापा
61. जरूरी है
62. क्या कहना
63. हल चल है
64. मिला सकते हैं
65. ग़मग़ीन है
66. सिला देते हैं
67. प्यार में
68. मुझको
69. न आयेगी
70. साधू
71. शान से
72. बाद करते हैं
73. हम क्या करें
74. ईद
75. संवारा जाये

शगुफ़्ता—चमन "ज़फ़र"

—::— फेहरिस्त —::—

76. हद हो गई
77. हॉकी
78. नज़र आया है
79. खबर नहीं आती
80. किरदार
81. ग्राहक
82. भला होगा
83. चुप है
84. उठाईये
85. डॉक्टर
86. कमाल करते हैं
87. बुन्देली की छटा निराली
88. इन्सानों में
89. जाम हो गये
90. बुन्देली खेल और मेला
91. मोहब्बत करता
92. न समझो
93. आ गई है
94. कामयाब रहे
95. लिया है
96. काम हो गया
97. यकीन है
98. इन्तज़ार करो
99. ले बैठे
100. हिन्दी गज़ल
101. होता नहीं
102. रहेंगे
103. जरूरी था
104. कभी आते नहीं
105. होती है
106. बेकार है
107. छुपती
108. खुद्दार नहीं है
109. हालाते हाजरा
110. जायेगी
111. अपनी
112. बरबाद किया है
113. बता दिया
114. देखेंगे
115. देखिए
116. बसंत
117. सिंधिया जी
118. बच्चे को
119. गुजर जायेगा
120. समझते हैं
121. जिन्दगी मिली
122. दुनिया में
123. कर लूँगा
124. जमाने से
125. कुछ तो है
126. आया है
127. गिरेवॉ देखो
128. तितलियॉ
129. नहीं आते
130. मोबाईल
131. नहीं है
132. आतंक
133. अपने को
134. बोल बाला है
135. जल जाये
136. पूछिए
137. मस्ताने हो गये
138. रखना
139. कहॉ जा रहा है
140. अंधेरे में
141. फ़ना के बाद
142. मज़ा क्या
143. याद आया
144. बेशुमार
145. ले जाओ
146. काला है
147. रहबर का हो ग
148. कमाई
149. चमकता ही रहेग
150. भूला न कभी
151. मीनार
152. घुटाला

नाम – हाजी ज़फ़र उल्ला खाँ "ज़फ़र" टीकमगढ़

जन्म – 10.07.1937 टीकमगढ़ (म0प्र0)

पिता – मरहूम इस्लाम उल्ला खाँ "नायब तहसीलदार"

शिक्षा – मैट्रिक

विधाये – गज़ल, नज़्म, हम्द, नात, गीत

शौक – अदबी खिदमात, खेल, ड्राइंग, संगीत

सम्मान – म0प्र0 लेखक संघ का आंचलिक सम्मान 2004, मंजर अवार्ड,

संप्रति – साविक सदर वज़्में अदव टीकमगढ़

प्रो0 – अपेक्स कम्प्यूटर ग्राफिक्स एवं फोटो कॉपी, रिटायर्ड, पी0टी0आई0

सम्पर्क – हाजी ज़फ़र उल्ला खाँ "ज़फ़र"
मोहल्ला सैल सागर, टीकमगढ़ (मध्य प्रदेश)
फोन – (07683) 245350,

मोबाईल– 9826263908,

प्रकाशन एवं प्रसारण – **"शगुफ़्ता–चमन"**
ग़ज़ल संग्रह आकाशवाणी
एवं तमाम पत्र पत्रिकाओं में
प्रकाशन एवं प्रसारण

01318

Scanned with OKEN Scanner